

बौद्धदर्शनम्  
पत्र संख्या - DSCC - 20  
पाठ्यक्रम विवरणम्

---

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. बुद्धवचनानां वर्गीकरणम्। 2. सौत्रान्तिकनिकायस्य प्रादुर्भावो विकासश्च।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. प्रथमा संगीतिः। 2. द्वितीया संगीतिः।  
3. अष्टादश बौद्धनिकायाः। 4. तृतीया संगीतिः 5. चतुर्थी संगीतिः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. बुद्धवचनानां नेयार्थ-नीतार्थता। 2. पुद्गलविचारः  
3. प्रतीत्यसमुत्पादः। 4. बाह्यार्थविमर्शः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. क्षणभङ्गविमर्शः 2. शब्दार्थसम्बन्धविमर्शः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सौत्रान्तिकदर्शनम्, ग्रन्थकारः प्रो. रामशंकरत्रिपाठी,  
प्रकाशक - केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थानम्, सारनाथ, वाराणसी, 1990

बौद्धदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

----

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

इन्द्रियर्थाधिपत्यम्, सास्रवानास्रवेन्द्रियाणि, विपाकाविपाकेन्द्रियाणि,

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कुशलाकुशलाव्याकृतेन्द्रियाणि, दर्शनभावनादेयाहेयानि इन्द्रियाणि, इन्द्रियविपाकः,  
इन्द्रियनिरोधः, श्रामण्यफलप्राप्तिकाले इन्द्रियाणि

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सहोत्पानियमः, चैतसिकविभागः, महाभूमिकाः चैत्ताः, कुशलमहाभूमिकाः चैत्ताः,  
क्लेशमहाभूमिकाः चैत्ताः, अकुशलमहाभूमिकाः चैत्ताः, परीत्तक्लेशमहाभूमिकाः चैत्ताश्च।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

चित्तविप्रयुक्तसंस्काराः, सभागता, समापत्तिविचारः, जीवितम्, लक्षणानि,  
नामकायादयः, हेतुचर्चा, प्रत्ययविमर्शश्च।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. आचार्यसुबनधुविरचितम् अभिधर्मकोशम् (द्वितीयकोशस्थानम्)

सम्पादक – द्वारिकादास शास्त्री, प्रकाशक – बौद्धभारती, वाराणसी, 2008

2. आचार्यवसुबन्धु- प्रणीतः अभिधर्मकोशः, महापंडित-राहुल-सांकृत्यायन  
नालन्दिकाभिधया टीकया परिशिष्टादिना च सहितः, सम्पादक – संघसेन सिंहः,  
प्रकाशक – राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली, 2012

बौद्धदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. पुब्बजातिकथा। 2. पूरणकस्सपेन मिलिन्दस्स समागमो। 3. मक्खलिगोसालेन मिलिन्दस्य समागमो।  
4. आयस्मता अस्सगुत्तेन भिक्खुसंघो संनिपातितो। 5. महासेन देवपुत्तं इधागमनाय याचेसि। 6. रोहणस्स दण्डकम्मं। 7. नागसेनस्स दहरकालो। 8. रोहणेन नागसेनस्स समागमो। 9. नागसेनस्स पब्बज्जा।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. नागसेनस्स दण्डकम्मं धम्मदेसना चा। 2. नागसेनस्स पाटलिपुत्तगमनं अरहन्तभावो चा।  
3. आयुपालेन मिलिन्दस्य समागमो। 4. नागसेनेन मिलिन्दस्स पठमसमागमो।  
5. रथूपमाय अनत्तवाददीपनं। 6. वस्सगणनपञ्चो।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. पण्डितावादो राजवादे चा। 2. अनन्तकायस्स उपासकत्तं। 3. किमत्था पब्बज्जा।  
4. को न पटिसंदहति। 5. मनसिकारलक्खणं। 6. पञ्जाय लक्खणं।  
7. कुसला धम्मा। 8. न च सो, न चअञ्जो। 9. जातिक्वयजाणं।  
10. जाणं च पञ्जा चा। 11. कायिका चेतसिका च वेदना। 12. को पटिसन्दहति।  
13. ननु नागसेनो परिसन्दहिस्सति।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. कतमं नामं रूपं च। 2. तयो अद्धा। 3. अविज्जामूलका के।  
4. पुरिमा कोटि न पञ्जायति। 5. कतमा पुरिमा कोटि।  
6. सङ्खारानं उप्पादो निरोधो च। 7. भवन्ता येव सङ्खारा जायन्ति।  
8. न हेत्थ वेदगू उपलब्धति। 9. पठमं चक्खुविज्जाणं, पच्छा मनोविजाणं।  
10. फस्सपमुखा धम्मा। 11. चेतसिका धम्मा एकभावगता।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. धम्मपदपालि एवं मिलिन्दपञ्चो (पठमदुतिया परिच्छेदा)।

प्रकाशक - पालि-अध्ययन-केन्द्रम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ-परिसरः, 2020

२. मिलिन्दपञ्चपालि, सम्पादकः - स्वामी द्वारिकादासशास्त्री,

प्रकाशक - बौद्धभारती, वाराणसी, 2006

## बौद्धदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
1. त्रिंशिकाविज्ञप्तिमात्रतासिद्धिप्रकरणस्य प्रयोजनम्।	2. विज्ञानवादिदृष्ट्य पुद्गलनैरात्म्यम्।		
3. विज्ञप्तिमात्रतादृष्ट्य धर्मनैरात्म्यम्।	4. माध्यमकिदृष्ट्या पुद्गलनैरात्म्यम्।		
5. शून्यवादीनां मतानुसारं धर्मनैरात्म्यम्।			
भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
1. विज्ञानपरिणामे आत्मधर्मोपचारः।	2. विज्ञानपरिणामस्य भेदः।	3. आलयविज्ञानम्।	
4. स्पर्शमनस्कारवित्संज्ञाचेतनानां लक्षणम्।			
भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
1. क्लिष्टमनोविज्ञानम्।	2. द्विप्रकाराः चैत्ताः।		
3. कुशलाकुशलाव्याकृताः के	4. पञ्च विनियताः चैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।		
5. एकादश कुशलचैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।			
6. षट् क्लेशचैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।			
7. विंशतिः उपक्लेशचैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।			
भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
1. चत्वारः अनियता अन्यथाप्रवृत्ताः वा चैतसिकाः।	2. षड् विज्ञानानि।		
3. किं मनोविज्ञानं चक्षुरादिविज्ञानैः सह प्रवर्तते, विना वाः उत नैव			
4. समापत्तिद्वयनिरूपणम्।	5. विज्ञप्तिमात्रे प्रतिसन्धानव्यवस्था।		
6. लक्षणत्रयं स्वभावत्रयञ्च।			

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. आचार्यवसुबन्धुप्रणीतं विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिप्रकरणद्वयम् (त्रिंशिकाविज्ञप्ति-  
मात्रतासिद्धिः) प्रकाशक - सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, 1992  
२. आचार्यवसुबन्धुप्रणीता विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः (त्रिंशिका विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः),  
प्रकाशक - केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थानान, चोगलमसर, लेह लदाख, 1984